

## नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

भारत में 15 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद बुधवार से जनगणना की प्रक्रिया का आरंभ हो गई। यह सिर्फ एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि लोकतंत्र की बुनियादी संरचना को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। स्वतंत्र भारत की 8 वीं और कुल 16 वीं जनगणना ऐसे समय में हो रही है, जब देश तेजी से डिजिटल परिवर्तन, सामाजिक बदलाव और आर्थिक पुनर्संरचना के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में यह जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि भारत के वर्तमान और भविष्य का दस्तावेज बनने जा रही है।

इस बार की सबसे बड़ी विशेषता इसका पूरी तरह डिजिटल होना है। 'डिजिटल इंडिया' के विजन को साकार करते हुए जनगणना प्रक्रिया को पेपरलेस बनाना एक ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल डेटा संग्रहण की गति बढ़ेगी, बल्कि पारदर्शिता और सटीकता भी सुनिश्चित होगी। 2011 की जनगणना में जहां परिणाम आने में वर्षों लग गए थे, वहीं अब तकनीक के सहारे यह प्रक्रिया कहीं अधिक तेज और प्रभावी होगी।

## लोकतंत्र की नींव को सशक्त करने का अवसर

हालांकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि डिजिटल विभाजन देश के कुछ हिस्सों में अब भी मौजूद है, जिसे दूर करना प्रशासन की जिम्मेदारी होगी।

'स्वयं-गणना' की सुविधा इस जनगणना को और अधिक सहभागी बनाती है। नागरिकों को पहली बार अपनी जानकारी स्वयं दर्ज करने का अधिकार देना, शासन में उनकी भागीदारी को बढ़ाता है। यह पहल न केवल पारदर्शिता को बढ़ाएगी, बल्कि लोगों में जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना भी विकसित करेगी। लेकिन इसके लिए डिजिटल साक्षरता और डेटा सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, ताकि लोग बिना किसी आशंका के इस प्रक्रिया में शामिल हो सकें। दरअसल, दो चरणों में आयोजित की जा रही यह जनगणना अधिक व्यवस्थित और व्यापक होगी। पहले चरण में आवास और बुनियादी सुविधाओं का आंकलन,

और दूसरे चरण में सामाजिक-आर्थिक व व्यक्तिगत विवरण का संग्रह, नीति निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। विशेष रूप से, जाति से जुड़े संभावित आंकड़ों का संग्रह एक संवेदनशील और बहस का विषय है, जिसका उपयोग संतुलित और जिम्मेदार तरीके से किया जाना चाहिए। सरकार द्वारा यह स्पष्ट करना कि किसी भी प्रकार के दस्तावेज दिखाने की आवश्यकता नहीं है, जनगणना को सहज और सर्वसमावेशी बनाता है। इससे उन वर्गों की भागीदारी भी सुनिश्चित होगी, जो कामजी प्रक्रियाओं के कारण अवसर पीछे रह जाते हैं। साथ ही, बहुभाषी ऐप और व्यापक बजट प्रावधान इस बात का संकेत देते हैं कि सरकार इस अभियान को सफल बनाने के लिए गंभीर है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि जनगणना के आंकड़े केवल वर्तमान नीतियों तक सीमित नहीं

रहते, बल्कि भविष्य की राजनीतिक और प्रशासनिक दिशा तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परिसीमन की प्रक्रिया में इन आंकड़ों का उपयोग होने की संभावना इसे और अधिक संवेदनशील और महत्वपूर्ण बनाती है।

ऐसे में यह प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह जनगणना में पूर्ण सहयोग करे। सही और सटीक जानकारी देना न केवल एक कर्तव्य है, बल्कि देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का माध्यम भी है। जनगणना के आंकड़े ही तय करते हैं कि संसाधनों का वितरण कैसे होगा, योजनाएं कहां और कैसे लागू होंगी, और किन क्षेत्रों को विशेष ध्यान की आवश्यकता है। कुल मिलाकर जनगणना केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि 'जन-भागीदारी से जन-कल्याण' का सशक्त उदाहरण है। यदि हर नागरिक इसमें ईमानदारी और जागरूकता के साथ भाग लेता है, तो यह अभियान भारत के उज्वल और संतुलित भविष्य की मजबूत नींव रख सकता है।

## सरकार खाद्य मिलावट से सख्ती से निपटे

हानिकारक तेलों और पशु-चर्बी का व्यापक रूप से इस्तेमाल सड़क किनारे के ढाबों और कुछ भोजनालयों में मक्खन के रूप में किया जाता है। केंद्र और राज्य सरकारों को इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने चाहिए, जिससे देश में मिलावट 'मक्खन' का उपभोग संभव न हो सके। तिरुमाला तिरुपति देवस्थान में कुछ साल पहले लड्डुओं के पवित्र प्रसाद में मिलावट की के उपयोग की चौंकाने वाली घटना सामने आई थी, जिससे यह साफ हो गया है कि ऐसे निवारक कदम उठाए जाएं जिससे हलाइडों और भोजनालयों द्वारा इस प्रकार का मिलावट देसी धी उपयोग में न लाया जा सके। देसी धी के निर्माता का ब्रांड-नाम और दूसरी जरूरी जानकारी अनिवार्य रूप से भारतीय खाद्य सुरक्षा तथा मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) के साथ साझा की जानी चाहिए।

यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि सभी खाद्य केंद्रों के संचालकों, मालिकों और प्रबंधकों का नाम और पता प्रदर्शित किया जाए, साथ ही रसोइयों और वेटरों के लिए मास्क व दस्ताने पहनना अनिवार्य किया जाए। इसके साथ ही होटलों और रेस्तरां में सीसीटीवी कैमरा लगाया जाना भी जरूरी है। हिमाचल प्रदेश सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने भी इसी नियम के पालन की इच्छा जताई है। सभी राज्यों को ये कदम उठाने चाहिए।

## खाद्य वस्तुओं की दोहरी कीमत न रखी जाए



हमारे यहां भोजनालयों के भंडारों में चूहों का भागना-दौड़ना बहुत आम है, जिससे रसोई गंदी होती है। एफएसएसआई ने खाना पकाने के लिए बार-बार तले जाने वाले तेल के नियंत्रण पर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। क्योंकि बार-बार ऐसा करने से यह तेल हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन जाता है। समय आ गया है कि भोजनालय चाहे कितना छोटा क्यों न हो, वहां आरओ जल-शुद्धिकरण यंत्र लगाया जरूरी है।

शाकाहारी और मांसाहारी भोजन के लिए रसोई के बर्तन अलग-अलग हों, ताकि शाकाहारी लोगों की भावनाओं का सम्मान किया जा सके, केंद्र सरकार को चाहिए कि वह योग की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शाकाहारी भोजन को बढ़ावा दे

भारत सरकार की सार्वजनिक कंपनियों तमाम सुविधाएं और सब्सिडी पाकर भी कोई अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग क्यों नहीं पाती हैं। इसी संदर्भ में इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन तथा मदर डेयरी के प्रबंधन से पूछा जाना चाहिए कि सार्वजनिक पैसे के भारी निवेश के बावजूद आखिर वे विश्व के शीर्ष 100 ब्रांडों में अपनी जगह क्यों नहीं बना सके? सरकार को पानी की बोतलों और खाद्य वस्तुओं की दोहरी कीमत की अनुमति भी नहीं देनी चाहिए। एक सामान्य कीमत खुले बाजार के लिए और दूसरी उड़ानों, थिएटरों और पांच सितारा होटलों के लिए, यह उपभोक्ता-विरोधी प्रथा बंद होनी चाहिए।

और सभी सरकारी आयोजनों में केवल शाकाहारी भोजन ही परोसा जाए, इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अयोध्या और मथुरा जैसे पवित्र शहरों में हिंदुओं की भावनाओं के अनुरूप मांस की बिक्री पहले ही प्रतिबंधित है, वहां शाकाहार को बढ़ावा मिल रहा है। इसलिए भारत सरकार को संयुक्त राष्ट्र से संपर्क करके 1 अक्टूबर को विश्व शाकाहार दिवस मनाए मिल जाने का अनुरोध करना चाहिए। स्कूलों और रेलगाड़ियों में ताजा पकाए गए भोजन की जगह ब्रांडेड पैकड खाद्य पदार्थ मिलने चाहिए।

आए दिन ऐसी रिपोर्ट्स देखने को मिलती हैं कि स्कूलों में मध्यह्न भोजन के रूप में पकाए गए चावल और दाल छटिया क्वालिटी के हैं। यहीं नहीं उनमें कीड़े-

मकोड़े, छिपकली और चूहे तक पाए जाते हैं। इसलिए पैकड भोजन ज्यादा भरोसेमंद होगा। सुप्रीम कोर्ट ने 19 अप्रैल 2021 को केंद्र और राज्य सरकारों से उन रिपोर्टों पर टिप्पणी मांगी थी, जिनमें कहा गया था कि भारत में प्रसिद्ध कंपनियों के लोकप्रिय ब्रांडों में भी मिलावट शहद बेचा जा रहा है। पाया गया था कि चीन से आयातित एक विशेष प्रकार की चीनी को शहद में मिलाकर एफएसएसआई के परीक्षण मानक को भी पास किया जा सकता है। राजधानी दिल्ली स्थित सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट द्वारा किए गए शोध के अनुसार भारत में बेचे जा रहे शहद के 70 नमूनों में से केवल 3 ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत हो सके थे।

-सुभाषचंद्र अग्रवाल

ग्वालियर चंबल डायरी

## क्या मिशन 28 का चेहरा बनने की कवायद में जुटे हैं अजय सिंह!



हरीश दुबे

इस अंचल के चार रोजा दौरे पर आए थे और अब आज दो अप्रैल को शिवपुरी में रहेंगे। खाम दोहरा रहे हैं कि राहुल भैया के नाम से पहचाने जाने वाले अजय सिंह ने पिछले महोत्सव ग्वालियर चंबल के बाद बुंदेलखंड की भी राजनीतिक यात्रा की थी। चूंकि इस अंचल में कांग्रेस की राजनीति में दिग्गज, कमलनाथ और जीतू पटवारी के खेमे वर्चस्व बनाए हुए हैं लिहाजा विंध्य के इस कदावर नेता द्वारा चंबल की सियासत में स्पेस बनाने की कवायद राजनीति के जानकारों को चौंका रही है।

कांग्रेसी दौरे में प्रदेश की राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले स्व. अर्जुन सिंह के पुत्र अजय सिंह अपने इन हालिया दौरों में बार बार दोहरा रहे हैं कि 2028 के चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। उम्र के तकाजे के चलते दिग्गज और नाथ भले ही 28 में सीएम पद की रेस में शामिल न हों लेकिन पटवारी और उमंग सिंघार स्पर्धा में डटे हैं। सुबाई राजनीति में बने रहने के लिए ही पटवारी यह कह चुके हैं कि दिग्गज के रिटायर होने से खाली हो रही

राज्यसभा सीट के लिए वे दावेदार नहीं हैं। पटवारी और सिंघार के समर्थक अप्रत्यक्ष रूप से अपने नेताओं को मिशन 28 का चेहरा मानते हैं और

## समर नाइट मेला का अब तक नहीं अता पता

ग्वालियर व्यापार मेला खत्म हुए महीना भर से ज्यादा वक्त होने को आया, इसके बाद गरीबों का मेला लग गया, वह भी उठ गया। अब मेला परिसर में दो और मेले चल रहे हैं, पहला पुस्तक मेला और दूसरा अग्नि सुरक्षा मेला। इन दोनों मेलों का व्यापार मेला प्राधिकरण से कोई ताल्लुक नहीं है। क्रमशः जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा लगाए गए इन मेलों में भीड़ आ रही है लेकिन मेला प्राधिकरण के तयशुदा कैलेंडर के मुताबिक लगाए जाने वाले समर नाइट मेला का अभी तक कोई अता पता नहीं है जबकि अप्रैल शुरू हो चुका है। समर नाइट मेला के लिए प्राधिकरण ने अभी तलक सीक भी नहीं धरी है। न तो व्यापारियों के रजिस्ट्रेशन शुरू हुए हैं और न इस मेला के लिए जगह ही चिन्हित की गई है। पिछले कई बरस से लगते आ रहे समर नाइट मेला का प्रयोग सफल रहा है लेकिन सच्चाई यह है कि मेला प्राधिकरण ने इस आयोजन को कभी गंभीरता से नहीं लिया। महीना भर के इस आयोजन को औपचारिकता मानकर निपटा दिया जाता है। व्यापारियों ने अब इस मेला को गरिमामय रंग देने और तैयारी जल्द शुरू करने के लिए प्राधिकरण के सेक्रेटरी पर दवाब बनाया है।

## नेपाली एमपी बालेन शाह के सम्मुख चुनौतियां

नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेन शाह ने जिस जेन जी आंदोलन वाली सीढ़ी की बदौलत सत्ता हासिल की, उसी सीढ़ी को उन्होंने अन्य लोगों के लिए प्रतिबंधित कर दिया। उन्होंने छत्र संगठनों के आंदोलन पर रोक लगा दी। यह शाह की चतुराई है ताकि अन्य कोई नेता उनके खिलाफ विचारधारा या युवा पीढ़ी का इस्तेमाल न करने पाए। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली व पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को जेल भिजवा दिया तथा बड़े राजनेताओं की संपत्ति की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा की। इस समिति में कानून, वित्त और राजस्व क्षेत्र के विशेषज्ञों का समावेश होगा। जेन जी आंदोलन के जरिए श्रीलंका व बांग्लादेश में भी सत्ता परिवर्तन हुआ लेकिन उससे इन देशों की सारी समस्याएं भिन्न नहीं गईं। श्रीलंका में अनुरा कुमार दिसानायके व बांग्लादेश में तारिक रहमान के सामने अब भी चुनौतियां कायम हैं। बालेन शाह को भी कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। नेपाल में जीडीपी की तुलना में कर्ज का अनुपात बढ़कर 47.13 प्रतिशत पर पहुंचा है। इसे कम कर लोगों का जीवनस्तर सुधारने के लिए उद्योगों को बढ़ावा देना



बालेन शाह

होगा। युवाओं को रचनात्मक कार्य में सहभागी बनाकर उनकी बेरोजगारी दूर करनी होगी। बालेन शाह जनहित में काम करेंगे तभी उनकी लोकप्रियता कायम रह पाएगी। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी है। ऊर्जा निर्माण तथा बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए भारत की मदद लेना जरूरी है। बालेन शाह को सावधानी रखनी होगी कि के.पी. शर्मा ओली या पृथक्कमल दहल प्रचंड के समान चीन का मोहरा न बनें तथा भारत से व्यर्थ तनाव न पानने दें। नेपाल को अनाज, पेट्रोल, डीजल तथा अत्यावश्यक वस्तुओं की सप्लाई भारत से ही होती है। शाह को भारत व चीन के बीच संतुलन साधना होगा। इसके साथ ही उन्हें जेन जी को भी संभालना जरूरी है। क्योंकि यह पीढ़ी शीघ्र ही बहुत कुछ पाने की उम्मीद रखती है। खुद बालेन शाह ने रैपर के तौर पर गए अपने गीतों में युवाओं के आक्रोश, उनकी समस्याओं व प्रश्नों को पेश किया था। इस समय अंतरराष्ट्रीय स्थितियां प्रतिफल चल रही हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से विश्व की अर्थव्यवस्था हिल गई है। ऐसे हालात में बालेन शाह को सूझबूझ व सहयोग से शासन चलाना होगा।

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

**CROSS WORD 12216** - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5	6
7			8		
		9			
	10		11		12
13		14			
15		16	17		
18		19	20		
	21			22	

2. मदिरा, शराब (सं.) 3. भैयाडूज 4. आउ, अवस्था (सं.) 5. उल्लू, निशाचर, (सं.) 6. इटलाना, घमंड करना 10. घटनाओं का विस्तृत वर्णन 11. छल, धोखाधड़ी 12. खगोलविज्ञ 13. नीले रंग का प्रसिद्ध रत्न 17. सीमा, मर्यादा (उर्दू) 19. बर्फ, पाला, शीत (सं.)

**बाएं से दाएं**

1. एक पुराण का नाम, परम वैष्णव 7. दूध गर्म करने पर उस पर जमने वाली तह 8. यम का दूत 9. दूब नामक घास (सं.) 10. राज्य, शासन 11. काट खाने वाला, चिड़चिड़ा 13. आधा, एक षष्ठ जिसके सभी अंग कड़वे होते हैं 14. धनुष 15. काठ, वृक्ष का काटा हुआ कोई भाग 16. धीरे-धीरे चलना, हवाखोरी करना 18. विशाल, बहुत बड़ा 20. स्थिति, हालत 21. नीलम (सं.) 22. नारीत्व

**उपर से नीचे**

1. बच्चे के प्रति मां का स्नेह, मोह

**Solution 12215**

व	क	ल	त	ना	मा	भा
की	त	डू	का	ही	ला	
लौ	जी		बंध	न		
	र	व	दौ	न	ता	
आ	ह	आ	वा		सु	
च	र	प	रा	न	ध	ना
र	ण	ध	रा	म	द	
ण	अ	ना	व	तं	क	

## ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

## आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में आर्थिक योजनाओं में सुधार होगा। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वर्ष के मध्य में भाईयों के सहयोग से शत्रु पक्ष परास्त होगा। वाहन पशु आदि से लाभ होगा। आर्थिक क्षेत्र में कमी के कारण योजनायें बाधित होंगी। वर्ष के अन्त में वाणी में कठोरता तथा क्रोध बना रहेगा। प्रियजनों के कारण हानि हो सकती है। मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को वाहन पशु आदि का लाभ होगा। वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शत्रु की गतिविधियों पर नजर रखकर कार्य करना

हितकर रहेगा। शत्रु वर्ग परास्त होगा। कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक योजनाओं में वृद्धि होगी। सिंह राशि के व्यक्तियों को प्रियजनों की वाणी में कठोरता तथा क्रोध बना रहेगा। धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आर्थिक कार्यों में सावधानी रखनी चाहिए। मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को समय लाभदायक रहेगा। यात्रा में उदाईगीरों से सतर्कता बांछनीय। मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को परिजनों का अच्छा खासा सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

**मेघ-** दौड़ धूप से कामकाज बनेंगे। सामाजिककार्यों में बड़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे, यश और कीर्ति मिलेंगे। दूर गये मित्र के संबंध में सुखद समाचार प्राप्त होगा। **वृषभ-** नई जिम्मेदारी आने से व्यस्तता बढ़ेगी, भावुकता में लिये ये फैसले बदलना पड़ेंगे, स्वास्थ्य के संबंध में सुधार होगा, खानपान पर नियंत्रण रहे। **मिथुन-** राजकीय मामले पक्ष में सुलझे, कानूनी मामले पक्ष में मजबूत होंगे, पारिवारिक शत्रुता में वृद्धि होगी, अनवश्यक खर्च होगा, संयम बनाये रखें। **कर्क-** उलझनें दूर होंगी, चूप रहने से लोग शलत समझ सकते हैं, आप के क्लेश बढ़ेंगे, आतिथि आगमन का योग है, मैत्री संबंधी प्रगाढ़ता आयेगी।

**सिंह-** नये सौदे के कार्य बनेंगे, धार्मिक, सामाजिककार्यों में बड़ संभावना है, राजकीय कार्य में सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय उत्तम रहेगा। **कन्या-** खानपान में सावधानी रखें, चाहते हैं, उससे मन की बात कर दें, रिश्ते मजबूत होंगे, आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा, स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। **वृश्चिक-** निजी कार्यों के लिये सिफारिश करना पड़ सकती है, मेहनत का लाभ मिलेगा, व्यापार व्यवसाय में सुधार होगा, परोपकारी कार्यों में सुख मिलेगा।

**धनु-** जीवनसाथी की भावना का सम्मान करें, अपनों की मदद से प्रसन्नता मिलेगी, मनोरंजन भ्रमण आगोद प्रमोद के अवसर मिलेंगे। **मकर-** अटकी योजनाओं में प्रगति होगी, उच्च अध्ययन के लिये दूर जाना पड़ सकता है, आम से अधिक धन व्यय होगा, दैनिक कार्यों में बाधा आयेगी। **कुम्भ-** विरोधी परेशान करेंगे, अधिकारियों के संपर्क से लाभ मिलेगा, आतिथि आगमन का योग है, विशिष्टजनों के संपर्क से नया कार्य बनेगा। **मीन-** कामकाज में देरी से तनाव बढ़ेगा, बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, नौकरी संबंधी अधिकारियों से मेल मुलाकात होगी, विवादपर्यट कार्यों को टालें।

## उदयकालीन ग्रह वाल

8	के.7 सू.	6	शु.	5
9	च.शु.			
10	शु.		4	
11		1	रा.	3
12			2	

## पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2083 चैत्र शुक्ल पूर्णिमा गुरुवासरे प्रातः 6/28, हस्त नक्षत्रे दिन 4/35, ध्रुव योगे दिन 1/31, वव करणे सू.उ. 5/51, सू.अ. 6/9, चन्द्रचार कन्या रातअंत 5/21 से तुला, पर्व- स्नानदान पूर्णिमा, श्री हनुमान जन्मोत्सव, शु.रा. 6,8,9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक- 8,0,5.

## व्यापार भविष्य

चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को हस्त नक्षत्र के प्रभाव से गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, बाजरा, मूंग, मोठ, रूई, सोना, गुड़, खांडू, के भाव में तेजी होगी, चांदी के भाव चाल मंदी की रहेगी, वायदा विचार आण हाज़िर मार्केट में पिछले दिन के बने भाव पर व्यवसाय कर लाभ प्राप्त करें, भाग्यांक 2492 है।

**SUDOKU 7348**

3	9			1				
5	4			6	8			1
		1		7		9	5	
8	9		5	3		4	7	
6	1	4	9	2	3			
3	4		1	8				
7	5		8	3		2	4	
		6				7	9	

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें। पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते। पहले ही का केवल एक ही हल है।

**नवभारत सूटो-कू 7347**

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4